बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त-2025

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना

SANJAY GANDHI BIOLOGICAL PARK, PATNA

शेर का वैज्ञानिक वर्गीकरण

(Scientific Classification of Lion)

Kingdom	*Animalia*	जन्तु
Phylum	*Chordata*	कॉर्डेटा (रीढ़धारी)
Class	*Mammalia*	स्तनधारी
Order	*Carnivora*	मांसाहारी
Family	*Felidae*	बिल्ली परिवार
Subfamily	*Pantherinae*	पैंथेरा उपकुल
Genus	*Panthera*	पैंथेरा
Species	*Panthera leo*	पैंथेरा लियो (शेर)

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

सामान्य जानकारी

वैज्ञानिक नाम: *Panthera leo*

Family: फेलिडे (Felidae)

औसत आयु: लगभग 14-16 वर्ष (जंगल में),
लगभग 18-20 वर्ष या उससे अधिक (कैप्टिव)

वजन: नर: 160–190 किलोग्राम, मादा: 110–120 किलोग्राम

लंबाई: 2.75 से 3 मीटर तक

आवास: सूखा पर्णपाती वन, सवाना, झाड़ियाँ, खुले जंगल, झाड़ीदार क्षेत्र, घास के मैदान, नदी के किनारे
एशियाई शेर खुले मैदान और झाड़ीदार क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं जहाँ वे शिकार को आसानी से देख सकें और घात लगा सकें।

भोजन: शेर मांसाहारी होते हैं। वे नीलगाय, चिंकारा, सांभर, चीतल, जंगली सूअर इसका आदि का शिकार करते हैं।

प्रजनन: मादा एक बार में 2 से 4 शावकों को जन्म देती है।
शावक 2 साल तक माँ के साथ रहते हैं।

गर्भधारण अवधि: लगभग 110 दिन

IUCN स्थिति: *संकटग्रस्त (Endangered)*

विश्व शेर दिवस
World Lion Day
10-अगस्त

शेरों की उप-प्रजातियाँ एवं वर्तमान में उनकी संख्या

पूर्व में शेरों की कई उप-प्रजातियाँ मानी जाती थीं, जैसे:

- *Panthera leo persica* (एशियाई शेर)
- *Panthera leo leo* (उत्तर अफ्रीका का शेर)
- *Panthera leo senegalensis*, *nubica*, *melanochaita*, *krugeri*, आदि (अफ्रीकी उप-प्रजातियाँ)

परिवर्तन का कारण:

1.आनुवंशिक शोध (Genetic studies):
डीएनए विश्लेषण से यह पाया गया कि अफ्रीकी और एशियाई शेरों में दो प्रमुख जीन समूह (gene clades) हैं, जो एक-दूसरे से अलग हैं।

2.जनसंख्या संरचना का विश्लेषण:
पश्चिम, मध्य और एशियाई शेर एक ही वंश समूह (clade) में पाए गए, जबकि पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीकी शेर दूसरे समूह में।

3.प्राकृतिक आवासों और व्यवहार में भिन्नता:
विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले शेरों के आवास, व्यवहार और प्रजनन क्षमता में अंतर भी इस निर्णय का आधार बना।

IUCN (International Union for Conservation of Nature) ने 2017 में नई आनुवंशिक (genetic) और मॉलिक्यूलर (molecular) रिसर्च के आधार पर शेरों की उप-प्रजातियों को घटाकर सिर्फ दो कर दिया है।

उपप्रजाति का नाम	हिंदी नाम	वितरण क्षेत्र	IUCN स्थिति	अनुमानित संख्या (2025)
Panthera leo leo	एशियाई/ पश्चिम अफ्रीकी शेर	• भारत (गिर जंगल), • पश्चिम और मध्य अफ्रीका (नाइजर, नाइजीरिया, बुर्किना फासो)	Endangered (लुप्तप्राय)	भारत: 891 (2025 – गिर व आसपास) पश्चिम अफ्रीका: ~1,000
Panthera leo melanochaita	पूर्वी व दक्षिणी अफ्रीकी शेर	• दक्षिणी अफ्रीका (बोत्सवाना, नामीबिया, ज़ाम्बिया, दक्षिण अफ्रीका) • पूर्वी अफ्रीका (केन्या, तंज़ानिया)	Vulnerable (असुरक्षित)	लगभग 20,000–21,000

विश्व शेर दिवस
World Lion Day
10-अगस्त

शेरों की उप-प्रजातियाँ एवं उनका वैश्विक वितरण

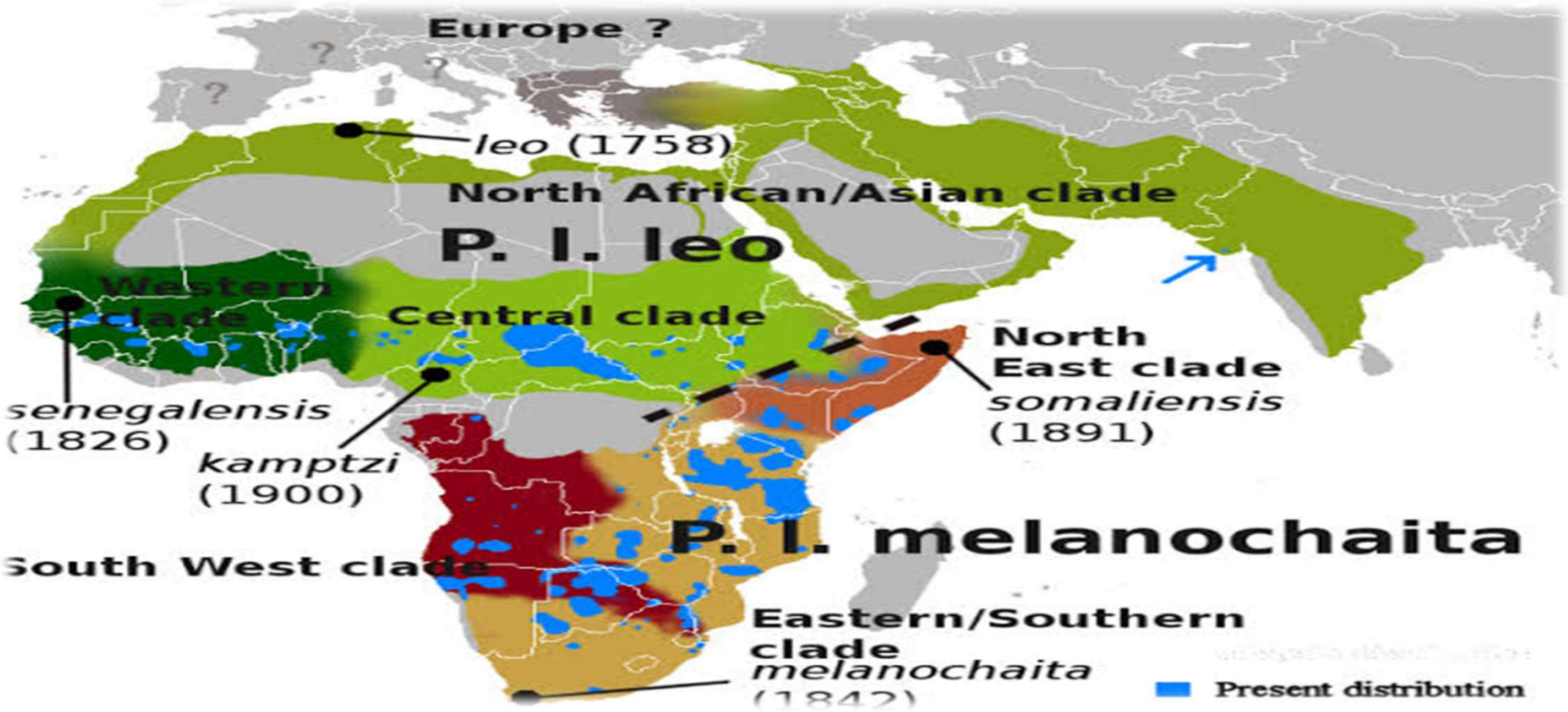

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

भारत में पाये जाने वाले शेर

नाम	विवरण
हिंदी नाम	एशियाई शेर
वैज्ञानिक नाम	*Panthera leo leo* (पूर्व में *P. l. persica*)
स्थान	केवल गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान व आसपास

वर्ष	अनुमानित संख्या
1995	304
2005	359
2010	411
2015	523
2020	674
2025	891

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

भारत सरकार की शेर परियोजना (Project Lion)-2020

आरंभ वर्ष: 2020 (15 अगस्त 2020)

परियोजना की जरूरत

- केवल एक ही क्षेत्र (गिर) में शेर सीमित हैं – *एक ही स्थान पर खतरा अधिक*
- **2018 में CDV से शेरों की मौत** ने अलार्म बजाया
- **आवास की सीमाएँ**, भोजन की प्रतिस्पर्धा, मानव-शेर संघर्ष बढ़ रहा था

परियोजना का उद्देश्य

एशियाई शेरों का संरक्षण	गिर और इसके आसपास सीमित आबादी को सुरक्षित बनाना
नए आवासों का विकास	शेरों के लिए नए अनुकूल निवास क्षेत्रों की पहचान और विकास
आनुवांशिक विविधता बनाए रखना	एक ही स्थान पर सीमित जनसंख्या से होने वाले जोखिम को कम करना
रोग निगरानी और जैव सुरक्षा	Zoonotic बीमारियों, वायरस (जैसे CDV) से सुरक्षा
आधुनिक तकनीक का उपयोग	GPS रेडियो कॉलर, सैटेलाइट ट्रैकिंग, e-surveillance, Bio-fencing, AI आधारित निगरानी
स्थानीय समुदाय की भागीदारी	लोगों को संरक्षण में भागीदार बनाना, मानव-शेर संघर्ष को कम करना

क्षेत्र	**विवरण**
गिर राष्ट्रीय उद्यान, गुजरात	शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास
भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, गीर-सोमनाथ, बोटाद	गिर क्षेत्र के विस्तार भाग
बवालपुर (भावनगर ज़िले में)	एक **नई शेर पुनर्वास साइट** के रूप में विकसित किया जा रहा है

प्रमुख घटक (Key Components)

1. **शेरों के स्वास्थ्य की निगरानी** (Lion Health Protocol)
2. **जैव-सुरक्षा लैब्स का निर्माण** (Bio-safety Lab & Quarantine Zones)
3. **CDV (Canine Distemper Virus) और अन्य बीमारियों की रोकथाम**
4. **E-surveillance प्रणाली का विस्तार**
5. **जंगल कॉरिडोर का विकास** (जैसे गीर से बवालपुर तक)
6. **जनसंख्या वितरण में विविधता** (Single population risk को कम करना)

World Lion Day
10-अगस्त

शेरों की विलुप्त (Extinct) उपप्रजातियाँ

उपप्रजाति का नाम (वैज्ञानिक)	आम नाम	कालखंड	वितरण क्षेत्र	प्रमुख विशेषताएँ
Panthera leo fossilis	प्राचीन शेर / Early cave lion	मध्य प्लेइस्टोसीन (~5-6 लाख वर्ष पूर्व)	यूरोप और एशिया	अब तक का सबसे पुराना ज्ञात शेर; आधुनिक शेरों का पूर्वज माना जाता है
Panthera leo spelaea	केव लायन / गुफा शेर	लेट प्लेइस्टोसीन (~30,000 वर्ष पूर्व तक)	यूरोप, रूस, साइबेरिया	बड़ी काया, ठंडे वातावरण के अनुकूल; गुफाओं में चित्र बने मिले हैं
Panthera leo sinhaleyus	श्रीलंकाई शेर	प्रारंभिक होलोसीन (~37,000 वर्ष पूर्व)	श्रीलंका	केवल जबड़े और कुछ अस्थियाँ मिली हैं; अब विलुप्त
Panthera leo europaea (कुछ इसे *P. leo spelaea* का ही भाग मानते हैं)	यूरोपीय शेर	ऐतिहासिक काल (~100 ईसा पूर्व)	दक्षिणी यूरोप (ग्रीस, बाल्कन क्षेत्र)	प्राचीन ग्रीक व रोमन लेखों में वर्णन; अब विलुप्त
Panthera leo maculatus	मारोज़ी (Spotted Lion)	20वीं सदी की शुरुआत तक	पूर्वी अफ्रीका (केन्या)	कथित दागदार शेर; बहुत कम प्रमाण; वर्तमान स्थिति विवादित
Panthera leo youngi	यंग का शेर	प्लेइस्टोसीन	चीन	*P. fossilis* के ही समान माना गया; विशाल काया

Barbary Lion
(Panthera leo leo)

Cape Lion
(Panthera leo melanochaita)

Cave Lion
(Panthera spelaea)

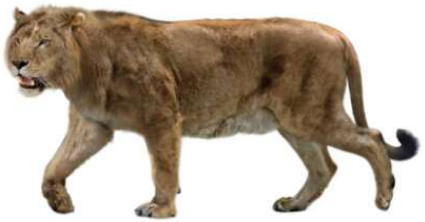

Mosbach Lion
(Panthera fossilis)

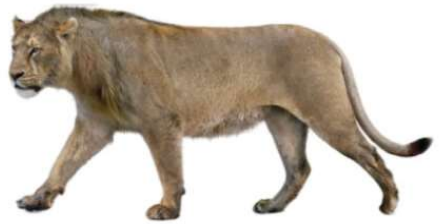

American Cave Lion
(Panthera atrox)

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

शेरों की वैश्विक जनसंख्या में गिरावट

वर्ष	अनुमानित वैश्विक संख्या
1900	~2,00,000
1950	~75,000
2000	~30,000
2024	~20,000

शेरों की वैश्विक जनसंख्या में गिरावट – एक गंभीर चिंता

- 100 वर्षों में 90% से अधिक गिरावट
- एक सदी पहले, अफ्रीका और एशिया में शेरों की संख्या लगभग 2,00,000 थी।
- आज यह संख्या घटकर 20,000 से भी कम रह गई है।

शेरों की घटती जनसंख्या के मुख्य कारण

- **आवासीय क्षति (Habitat Loss):-** जंगलों की कटाई, कृषि विस्तार, सड़क और मानव बस्तियों के कारण शेरों का प्राकृतिक आवास तेजी से घट रहा है।
- **वन खंडित होना (Habitat Fragmentation):-** टुकड़ों में बंटे जंगलों से आनुवंशिक प्रवाह में बाधा होना।
- **अवैध शिकार (Poaching):-** खाल, हड्डी, अंगों एवं पारंपरिक औषधियों में उपयोग के लिए शिकार एवं अवैध व्यापार
- **मानव-बाघ संघर्ष (Human-Wildlife Conflict):-** राजा-महाराजाओं के द्वारा खेल के रूप में शिकार, मवेशी मारने या मानव पर हमले के कारण प्रतिशोध में इन्हें मारना।
- **शिकार की कमी (Prey Depletion):-** शाकाहारी वन्यजीवों की कमी से भोजन की कमी।

विश्व शेर दिवस
World Lion Day
10-अगस्त

एशियाई शेरों से संबंधित रोचक तथ्य

- **केवल भारत में पाए जाते हैं!**
  एशियाई शेर अब केवल गुजरात के गिर वन में ही पाए जाते हैं — ये भारत का अद्वितीय राष्ट्रीय धरोहर हैं।
- **छोटी और हल्की अयाल (मेन)**
  अफ्रीकी शेरों की तुलना में एशियाई शेरों की अयाल छोटी और विरल होती है, जिससे उनके कानों की आकृति साफ दिखती है।
- **पेट की लटकती चमड़ी**
  इनके पेट के नीचे एक लंबी और स्पष्ट चमड़ी की तह होती है, जो अफ्रीकी शेरों में नहीं पाई जाती।
- **धीमी गर्जना**
  एशियाई शेरों की गर्जना अफ्रीकी शेरों से हल्की होती है, लेकिन यह आवाज भी 8–10 किलोमीटर दूर तक सुनी जा सकती है।
- **इतिहास में शाही पहचान**
  कभी ये शेर ग्रीस से लेकर भारत तक फैले हुए थे और मौर्य और मुग़ल साम्राज्यों की शान माने जाते थे।
- **छोटे झुंड में रहते हैं**
  ये शेर छोटे समूहों (2–5) में रहते हैं, जिनमें आमतौर पर मादा और उनके बच्चे शामिल होते हैं।

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

अफ्रीकी शेरों से संबंधित रोचक तथ्य

- **सबसे सामाजिक बड़ी बिल्ली!**
  अफ्रीकी शेर दुनिया की सबसे सामाजिक बड़ी बिल्ली हैं, जो 30 तक के बड़े झुंड (प्राइड) में रहते हैं।
- **गर्जन का सम्राट**
  इनकी गर्जना 8 किलोमीटर तक सुनी जा सकती है — यह सभी बड़ी बिल्लियों में सबसे ऊँची आवाज होती है।
- **सवाना का राजा**
  ये शेर उप-सहारा अफ्रीका के सवाना, घास के मैदान और जंगलों के किनारों पर पाए जाते हैं — जंगलों में नहीं!
- **अयाल का महत्व**
  नर शेर की अयाल का रंग (हल्का से गहरा) उसकी उम्र और ताकत बताता है। गहरी अयाल वाला शेर आमतौर पर मजबूत और प्रभावशाली होता है।
- **आलसी शाही जीवन**
  अफ्रीकी शेर दिन में 20 घंटे तक सो सकते हैं — इन्हें सबसे आलसी बड़ी बिल्लियों में गिना जाता है।
- **मिलजुल कर शिकार**
  शिकार का काम मुख्यतः मादा शेरनियाँ करती हैं, जो मिलकर ज़ेब्रा और भैंस जैसे जानवरों को गिराती हैं।

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

एशियाई एवं अफ्रीकी शेरों में अंतर

विशेषता	एशियाई शेर	अफ्रीकी शेर
अयाल	छोटी और विरल	मोटी और घनी
पेट की त्वचा	नीचे लटकती त्वचा की तह	प्रायः नहीं होती
झुंड का आकार	छोटा (2–5 सदस्य)	बड़ा (20–30 सदस्य)
आवास क्षेत्र	भारत (गिर वन)	उप-सहारा अफ्रीका
गर्जना	हल्की गर्जना	ज़्यादा तेज और गूंजदार

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

भारत में शेरों के संरक्षण के लिए पहल (Lion Conservation Efforts in India)

- **गिर नेशनल पार्क और अभयारण्य की स्थापना (1965):**
  गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित गिर वन क्षेत्र शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास है। इसे शेरों के संरक्षण हेतु विशेष रूप से सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है।

- **शेर परियोजना (2020):**
  यह योजना शेरों के आवास, स्वास्थ्य, आनुवंशिक विविधता और पुनर्वास पर केंद्रित है। गुजरात के बाहर भी शेरों का नया आवास विकसित करने की योजना।

- **शेरों की जनगणना (हर 5 साल में):**
  वैज्ञानिक विधियों (कैमरा ट्रैप, पगमार्क आदि) द्वारा शेरों की नियमित गणना की जाती है। प्रतिवर्ष शेरों की संख्या में वृद्धि हो रही है। 2025 की जनगणना के अनुसार 891 एशियाटिक शेर दर्ज किए गए।

- **मालधारी समुदाय की भागीदारी:**
  स्थानीय चरवाहों (मालधारियों) के साथ सहयोग कर सह-अस्तित्व को बढ़ावा दिया गया। मुआवजा योजना से उनके पशु हानि की भरपाई की जाती है।

- **प्रजनन और पुनर्वास कार्यक्रम:**
  चिड़ियाघरों में संरक्षण प्रजनन किया जाता है। बीमार, घायल या मानव-वन्यजीव संघर्ष के शिकार शेरों को रेस्क्यू सेंटर में उपचार और पुनर्वास प्रदान किया जाता है।

- **ह्यूमन-लायन कन्फ्लिक्ट प्रबंधन:**
  बाड़बंदी, चेतावनी बोर्ड, गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आदि के माध्यम से मानव-शेर संघर्ष को कम किया गया।

- **एशियाटिक शेर का वैकल्पिक आवास प्रस्ताव (कोनो पालपुर, मध्यप्रदेश):**
  शेरों की एकल आबादी को संकट से बचाने के लिए वैकल्पिक सुरक्षित क्षेत्र विकसित करने की योजना।

- **परिणाम:**
  1900 के दशक की शुरुआत में एशियाटिक शेर की संख्या केवल ~20 रह गई थी। संरक्षण प्रयासों से आज इनकी संख्या बढ़कर 891 (2025) तक पहुंच गई है।

विश्व शेर दिवस
World Lion Day
10-अगस्त

वैश्विक स्तर पर शेरों के संरक्षण के लिए पहल (International Lion Conservation Efforts)

- **IUCN रेड लिस्ट वर्गीकरण:**
  शेर (Panthera leo) को "Vulnerable (असुरक्षित)" श्रेणी में रखा गया है। पश्चिम अफ्रीकी शेर उप-प्रजाति को "Critically Endangered" (अत्यंत संकटग्रस्त) घोषित किया गया है।

- **CITES (Convention on International Trade in Endangered Species):**
  शेरों को Appendix II में सूचीबद्ध किया गया है। इसका उद्देश्य शेरों के अंगों एवं उत्पादों के अवैध व्यापार को रोकना है।

- **African Lion Conservation Strategy (2006, 2012 Update):**
  IUCN और African Range States द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया।
  इसके चार प्रमुख स्तंभ है:
  संरक्षण अनुसंधान, आवास सुरक्षा, स्थानीय समुदाय की भागीदारी, राष्ट्रीय नीति निर्माण

- **Panthera संस्था की "Project Lion" पहल:**
  यह अंतरराष्ट्रीय NGO अफ्रीका में शेरों के संरक्षण, अवैध शिकार नियंत्रण और जनसंख्या मॉनिटरिंग में कार्यरत है।

- **UNDP-GEF द्वारा फंडेड परियोजनाएं:**
  कई अफ्रीकी देशों में प्राकृतिक आवासों के पुनर्वास और ईकोटूरिज्म को बढ़ावा देने वाली योजनाएं चलाई जा रही हैं।

- **Transboundary Conservation Areas (TBCAs):**
  कवांगा-जाम्बेज़ी, ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क जैसे क्षेत्रों में शेरों को सीमाओं के आर-पार संरक्षित किया गया है।

- **World Lion Day (10 अगस्त):**
  वैश्विक स्तर पर शेरों के प्रति जागरूकता और संरक्षण प्रयासों को प्रचारित करने के लिए मनाया जाता है।

- **DNA, GPS Tracking और कैमरा ट्रैप जैसी आधुनिक तकनीकें:**
  शेरों की संख्या और उनके मूवमेंट की निगरानी के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग हो रहा है।

- **परिणामस्वरूप:**
  अफ्रीका के कुछ हिस्सों (जैसे बोत्सवाना, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका) में शेरों की आबादी स्थिर या थोड़ी बढ़ी है। परंतु अफ्रीका में कुल शेरों की संख्या पिछले 25 वर्षों में 40% से अधिक घट चुकी है।

पटना जू में शेरों का इतिहास:

- संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना में शेरों का सिलसिला वर्ष 1980 से प्रारंभ हुआ है।
- पहली बार 17.05.1982 को पटना जू में 4 शावकों का जन्म हुआ, जिसमें 3 नर एवं 1 मादा थी। पुन: 01.06.1986 को पटना जू में 3 शावकों का जन्म हुआ, जिसमें 2 नर एवं 1 मादा थी।
- इस बीच 23.12.1992 में दिल्ली जू से दों मादा शेर दुर्गा एवं ज्योति को पटना जू लाया गया। 11.08.1998 में मोबाईल जू से दों नर शेर राजा एवं राजू को पटना जू लाया गया। 1999 को लालगंज सर्कस से एक मादा शेर अंधरी को पटना जू लाया गया। उसके पश्चात् बोकारो जू से 3 मादा शेर (हाइब्रिड) को पटना जू लाया गया।
- दिनांक 12.08.2011 में हैदराबाद जू से एक नर शेर विशाल एवं एक मादा शेर सरस्वती को पटना जू लाया गया। 18 वर्ष आयु का विशाल वर्तमान में राजगीर जू सफारी, नालंदा में है।
- हैदराबाद जू से लाये गये इस जोडें के द्वारा 15.08.2012 में पटना जू में 1 नर (सम्राट) एवं 1 मादा शावकों को जन्म दिया। पुन: 12.06.2013 में विशाल एवं सरस्वती के द्वारा पटना जू में 1 नर (शेरू) एवं 1 मादा (रानी) शावकों का जन्म हुआ।
- दिनांक 16.05.2022 को राजगीर जू सफारी, नालंदा से पार्वती के मादा बच्चे को पटना जू लाया गया।
- वर्तमान में एक नर एवं एक मादा पटना जू में उपलब्ध है।

विश्व शेर दिवस

World Lion Day

10-अगस्त

पटना जू के शेरों की विवरणी

पटना जू में वर्तमान में कुल 2 शेर है।

क्र० सं०	शेर का नाम	नर/ मादा	जन्म-तिथि	जन्म स्थान	पिता शेर का नाम	माता शेर का नाम	पटना जू में कब से	वर्तमान आयु
1.	सम्राट	नर	15.08.2012	पटना जू	विशाल	सरस्वती	15.08.2012	13 वर्ष 11 माह
2.	पार्वती	मादा	06.05.2019	शक्करबाघ जू, जूनागढ़	नागराज	पार्वती	16.05.2022	6 वर्ष 3 माह

विश्व शेर दिवस
World Lion Day
10-अगस्त